समरूपी भिन्नार्थक शब्द

(i) **ओर (तरफ)** गोपाल उस ओर चला गया।

(ii) **और (तथा)** गोपाल और शंकर दोनों खेल रहे हैं।

उपर्युक्त उदाहरणों में '**ओर**' तथा '**और**' का उच्चारण लगभग एक जैसा है किन्तु दोनों के अर्थ अलग-अलग हैं, जो कि भिन्न-भिन्न प्रसंगों में प्रयोग होने से स्पष्ट होते हैं।

अतः जिन शब्दों का उच्चारण लगभग समान हो परन्तु अर्थ भिन्न-भिन्न हों, उन्हें समरूपी भिन्नार्थक शब्द कहते हैं।

इस प्रकार के अन्य उदाहरण निम्नलिखित हैं-

• अचल पर्वत अचला पृथ्वी	• अनल अग्नि अनिल वायु
• अनु पीछे अणु कण	• अन्न अनाज अन्य दूसरा
• अपेक्षा चाह, आशा, तुलना में उपेक्षा लापरवाही	• अवश्य ज़रूरी अवश बेबस
• अवधि समय अवधी अवध प्रान्त की भाषा	• अवलम्ब सहारा अविलम्ब शीघ्र
• असमान जो बराबर न हो आसमान आकाश	• आदि आरंभ, मूल आदी अभ्यस्त, आदत वाला
• उपयुक्त उचित उपर्युक्त जिसका वर्णन ऊपर किया गया हो	• उधार कर्ज़ उद्धार उबारना

Scanned with CamScanner

• कल्पना — मन की उपज कलपना — दुःखी होना	• कर्म — काम क्रम — सिलसिला
• कुल — वंश कूल — किनारा	• खाद — उर्वरक खाद्य — खाने योग्य
• गिरि — पर्वत गिरी — 'गिरना' का भूतकाल	• गृह — घर ग्रह — नक्षत्र
• गुर — उपाय गुरु — शिक्षक, बड़ा, भारी	• चर्म — चमड़ा चरम — अन्तिम

Scanned with CamScanner